



...माव...नसवचनदृष्टव वाचनानि ॥
...सथेनालस्यनथ कमुसुनिवाल्कनथ...अनभ
अनभमाह ॥ ॥ कथयनिःसाकरिदः कनातवनिःसाकरिदः सुद
वन...सु...ज...न...क...वा...स...यिव...थ...न...स...ल...न...थ...मान...क...
...गु...नि...वि...क...न...म...म...स...ध...त...म...थ...च...न...य...न...ले...नि...भ...म...न...
...द...त...न...वि...लु...थ...म...अ...व...स...न...थ...व...यु...नि...म...द...य...क...स...क...न...भ...न...म...
॥ ॥ यनकाय कनातन लिहकाव ॥ ॥ श्रीमहादेव दु जाय...
स मिथुन लम्ब काम-हो ध-नाह माया भाहा थत तावता...

...सवर्न ॥ सिय निययनयाहाउर्वन ॥ थने...
निभन न्नाय काम वृद्ध सबलया...थचनायनि...
अयसवर्न थनसवर्नन चनाखडाव श्रिय ३ धर्क धर्मा ॥ थनचनायनिस्यन...
मृगउकवा ॥ ॥ ॥ ॥ ल विद्याधस अयनिसक अयय धना ॥ अनिज्ञायासा
कुने अस्याय धकाव अकनातय निस्याह ॥ थनलि थयानकयनिस्याह
३ धर्क वायनानसवर्नयाहुव ३ धर्मा लपि सबलस अयनिस्यादायायायम
अयनिस सत्ययायलावन लर्मु अदधर्क थनि अयनिग याव याव

पुनः नमः काशु। गच्छुयिव। पुनः मदददासुगटिमइः धृतनमयातनिदा
प्यादवसा नमः न। जवाधयाठव नमानधवीधयाव। धयवाचनाया
दच नददाव। माचयाय निसानध र। द्दिमदतदाग। जिय निशक्रिचु
प्रवनातहासु। ननुमि। जिकुजामयादाशया। पुनः मदददासु। काय
पुनः नमः। वाति नि। धनदयावद्याय। हस्त। वनात लव उ थं। धृतन
वा कमइ। ल० जउ थ। पुसा मिसइ मिभदुयाट। धयन जिय निदि